अकबर की चुनौती

एक बार की बात है जब बादशाह अकबर हमेशा की तरह बीरबल की योग्यता की परीक्षा लेने के लिए उनसे प्रश्न पूछ रहे थे और ऐसा करते करते कभी तो अजीब तरह की हरकतें भी कर बैठते थे। एक बार बादशाह अकबर ने एक बकरी देते हुए बीरबल से कहा "बीरबल हम तुम्हें एक बकरी दे रहे हैं, इसका वजन तुलवा लो, यह वजन न तो घटना चाहिए न ही बढना चाहिए लेकिन इसे एक महीने खुराक पूरी दी जाये।

बीरबल सोचने लगे और कुछ देर सोचने के बाद उन्होंने बकरी को अपने पास रख लिया, बकरी को पूरा खाना दिया जाता था, उसकी सारी सुविधा का हर तरह से ध्यान रखा जाता था।

इस तरह दिन गुजरते गए और एक महीने बाद बादशाह ने बीरबल से पूछा "बीरबल, वह बकरी ठीक तो है ना ? बीरबल ने जवाब दिया "जी जहांपना, बकरी एकदम ठीक है ।

अकबर ने फिर पूछा "उसका वजन भी उतना ही है ना, बढा तो नहीं?

बीरबल ने जवाब दिया "जी नहीं जहांपना, वजन उतना ही है !

अकबर ने कहा "भूखी रही होगी बेचारी, इसलिए वजन घटा जरूर होगा।

बीरबल ने कहा "जी नहीं जहांपना, पूरा खाना मिला है, वैसी ही स्वस्थ है और वजन भी उतना ही है।

इतना कह-कर बीरबल ने बकरी मंगवाई। बकरी का वजन तौला गया और उसका वजन वही था जो एक महीने पहले था।

बादशाह अकबर को बड़ा अचंभा हुआ, क्योंकि उन्होंने यह पता लगा लिया था कि बकरी को पूरी खुराक दी जा रही है।

फिर उन्होंने बीरबल से कहा "इसका क्या राज़ हैं बीरबल कि बकरी का वजन ना घटा है और ना बढा ?

बीरबल बोले "कोई खास बात नहीं हैं जहापना, मै सारा दिन बकरी को खिलाता-पिलाता था, और रात को एक घंटे के लिए शेर के सामने खडा कर देता था, वह भय से कांपती थी जिसके कारन इतना खाने के बाद भी इसका शरीर थोड़ा भी बढ़ा नहीं ।

बीरबल का जवाब सुनकर बादशाह अकबर और अन्य दरबारी मुस्कुराये बगैर नहीं रह सके ।